अभ्यास

पाठ से

२१/६/२१
Class - VI
हिन्दी पाठ-3 पुस्तक कार्य + प्र०/उ०

मौखिक (Oral)

1. पहला पत्र किसने लिखा है? सुभाषचंद्र बोस ने
2. नेताजी ने किसे 'अभागी' कहा है? भारतमाता को
3. नेताजी ने अपने पत्र में किस नई जाति की बात कही है? बाबू लोगों की
4. रामप्रसाद बिस्मिल ने किसे पत्र लिखा था? अपनी माँ को
5. रामप्रसाद ने किस ऋण से मुक्त न हो पाने की बात कही है? मातृ ऋण से

पढ़कर बताइए (Read and answer)

- **नीचे दी गई पंक्तियों का सही मिलान कीजिए–**

खंड–क	खंड–ख
क. हम कब तक यूँ देश की	रूदन की ध्वनि सुनता है।
ख. ईश्वर ने हमें हाथ दिए हैं	सेवा न कर सका।
ग. मेरा हृदय भारतमाता के	पर हम श्रम नहीं करते।
घ. मैं चाहूँगा कि जन्म-जन्मांतर	दुर्दशा देखते रहेंगे।
ङ. मैं आपके चरणों की	आप ही मेरी माँ बनें।

लिखित (Written)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short answer questions)

1. नेताजी के मन में क्या-क्या विचार आ रहे थे?
2. नेताजी ने भारतमाता को 'अभागी' क्यों कहा है?
3. रामप्रसाद के अनुसार किस-किस पर माँ की कृपा है?
4. बिस्मिल अपनी माँ को ही जन्म-जन्मांतर तक माँ के रूप में क्यों देखना चाहते हैं?

Scanned by TapScanner

जानी-अनजानी बातें (Interesting facts)

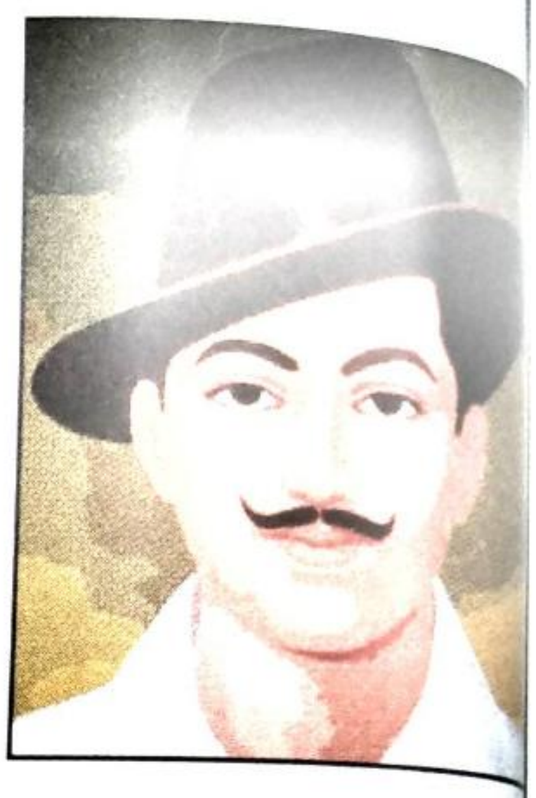

- चंद्रशेखर आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानी थे। वे सरदार भगत सिंह तथा रामप्रसाद बिस्मिल के प्रमुख साथियों में से एक थे। जब चंद्रशेखर आज़ाद की उम्र 14 साल थी, तब वे 1921 में गांधी जी के असहयोग आंदोलन से जुड़ गए थे। असहयोग आंदोलन के दौरान उन्हें अंग्रेज़ों ने गिरफ़्तार कर लिया था। अदालत में जब चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा तो उत्तर में उन्होंने अपना नाम आज़ाद बताया। पिता का नाम पूछे जाने पर 'स्वतंत्रता' और अपना पता 'जेल' बताया। तभी चंद्रशेखर सीताराम तिवारी का नाम 'चंद्रशेखर आज़ाद' पड़ा।

योग्यता-विस्तार (Creative expression)

1. नेताजी सुभाष चंद्र बोस और रामप्रसाद बिस्मिल के पत्र को पढ़कर आपके मन में जो भाव या विचार उत्पन्न हुए, उन्हें अपने साथियों को बताइए।
2. इंटरनेट की सहायता से अन्य स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा लिखे पत्रों को पढ़िए और प्रेरणा लीजिए।
3. अपनी माँ को पत्र लिखकर बताइए कि आप अपने देश के बारे में क्या सोचते हैं और उसकी प्रगति के लिए क्या करना चाहते हैं।

भाषा से

श्रुतलेख– स्पर्श, स्वार्थरहित, श्रेष्ठ, घृणा, अवर्णनीय, जन्म-जन्मांतर, तुच्छ, तृष्णा, आशीर्वाद, हृदय।

1. संयुक्ताक्षरों से बनने वाले तीन-तीन शब्द लिखिए–

स्व	– स्वप्न	स्वतंत्रता	स्वस्थ	स्वाधीन
व्य	– व्यथा	व्यग्र	व्यवसाय	व्यर्थ
ध्व	– ध्वज	ध्वनि	ध्वंस	साध्वी
त्य	– त्याग	सत्य	मृत्यु	त्योहार

2. नीचे दिए 'र' के रूपों के तीन-तीन शब्द लिखिए–

र्‍	– स्पर्श	दर्द	मर्म	कर्म
्र	– प्राण	प्रेम	प्रचार	प्रयाग
्र (ट्र)	– ट्रेन	ड्रम	राष्ट्र	ट्रेन

Scanned by TapScanner

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखिए–

परतंत्र × स्वतंत्र

प्रेम × घृणा

पतन × उत्थान

अंतिम × प्रथम

अधीर × धीर

जीवन × मरण

स्वार्थ × निःस्वार्थ

रुचि × अरुचि

4. पढ़ो और समझो–

उपसर्ग– वे शब्दांश जो शब्द के आरंभ में जुड़कर नया शब्द बनाते हैं तथा उनके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं, जैसे– अ + ज्ञान = अज्ञान, उप + योग = उपयोग आदि।

प्रत्यय– वे शब्दांश जो शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द बनाते हैं तथा उनके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं, जैसे– गरम + ई = गरमी, मानव + ता = मानवता आदि।

नीचे दिए शब्दों में उपसर्ग अथवा प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए–

अ + वर्णनीय = अवर्णनीय

अ + भागा = अभागा

कु + पथ = कुपथ

आ + जीवन = आजीवन

प्रति + दिन = प्रतिदिन

प्रति + वर्ष = प्रतिवर्ष

वीर + ता = वीरता

बलि + दान = बलिदान

5. नीचे दिए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

बलिदान – हम अपने देश की आन-बान-शान के लिए बलिदान हो सकते हैं।

मानवता – हमें मानवता की सेवा करनी चाहिए।

चिरकाल – आपका यश चिर काल तक बना रहे।

उन्नति – देश निरंतर उन्नति करता रहे।

प्रणाम – सभी को मेरा सादर प्रणाम।

Scanned by TapScanner

Class-VI
Hindi Reader

PAGE NO.
DATE

पाठ-3 दो पत्र – माँ के नाम

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

उ०1. नेताजी के मन में बार-बार यह विचार आ रहे थे कि क्या भारतमाता की संतान स्वार्थरहित नहीं है? क्या भारतमाता इतनी अभागी है? वे वीर कहाँ हैं जो भारत-माता पर अपने प्राणों का बलिदान कर सकें?

उ०2. नेताजी ने भारतमाता को अभागी इसलिए कहा है क्योंकि परतंत्र भारत की संतानों में कोई भी स्वार्थरहित नहीं है।

उ०3. रामप्रसाद बिस्मिल के अनुसार उनकी शिक्षा, उनकी आत्मिक उन्नति, धर्म के प्रति उनकी रुचि सब पर उनकी माँ की कृपा है।

उ०4. बिस्मिल अपनी माँ को ही जन्म-जन्मांतर तक माँ के रूप में इसलिए देखना चाहते हैं क्योंकि बड़े से बड़े संकट में भी उनकी माँ ने कभी उन्हें अधीर होकर कुपथ पर चलने नहीं दिया।

उ०5. बिस्मिल के मन में अपनी माँ के चरणों की सेवा करने की तृष्णा बची रह गई है।

उ०6. दोनों पत्र हमें भारतमाता की सेवा करने की प्रेरणा दे रहे हैं।

Scanned by TapScanner

PAGE NO.
DATE

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

उ० 1. भारतमाता परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ी हुई है तथा उसकी दयनीय दशा देखकर नेताजी अत्यंत व्याकुल हो गए है। उनका कहना है कि मानव शरीर बहुत कठिनाई से मिलता है, इसलिए हमने अगर कोई श्रेष्ठ कर्म नहीं किया तो हमारा जीवन बेकार है। हमारा देश प्रतिदिन पतन की ओर बढ़ रहा है। ज्ञान-विवेक होते हुए भी हम उसका प्रयोग नहीं करते। इसलिए नेताजी हमें स्वार्थ त्याग कर जागने तथा भारतमाता की सेवा में जुट जाने के लिए कह रहे हैं।

उ० 2. हमारा देश दिन-प्रतिदिन पतन की ओर इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि कलयुग में बाबू लोगों की एक नई जाति विकसित हुई है जो स्वयं काम नहीं करना चाहती, न ही परिश्रम करना चाहती है। वह ज्ञान-विवेक का प्रयोग नहीं करती। मानवता पर ध्यान नहीं देती।

उ० 3. बिस्मिल ने अपनी माँ को यह सोचकर धैर्य धारण करने को कहा है कि आपका पुत्र माताओं की भी माता भारतमाता की सेवा में स्वयं को समर्पित कर दिया। वह अपना जीवन उसी की सेवा में लगाना चाहता है।

उ० 4. बिस्मिल अपनी माँ से बहुत प्रभावित थे। वे सदा उन्हें प्रोत्साहन तथा मार्ग-दर्शन

Scanned by TapScanner

देती थी। बिस्मिल की एक इच्छा शेष रह गई थी कि वे अपनी माँ की सेवा नहीं कर सके। बिस्मिल की माँ ने सदा उनकी क्रांतिकारी विचारधारा को समझा और बढ़ावा भी दिया।

श्रुतलेख

1 दृढ़ता
2 उन्नति
3 आशीर्वाद
4 हर्षित
5 उत्सुक
6 स्पर्श
7 किशोरावस्था
8 प्रेरणादायी
9 संकलित
10 व्याकुल

Scanned by TapScanner